थीम 1: सुनना और बोलना

बच्चे परिचित-अपरिचित संदर्भों में परस्पर वार्तालाप, कविता, कहानी, वर्णन, पहेली आदि को ध्यानपूर्वक सुनकर समझते हैं। उसके मुख्य भाव को पकड़ सकते हैं एवं स्पष्ट उच्चारण के साथ अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। कहानी-कविता आदि को उचित लय-ताल और हाव-भाव के साथ सुनाते हैं और पूछे गए प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर देते हैं।

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- परिचित – **अपरिचित परिवेश से जुड़े विषयों पर किए जा रहे वार्तालाप को रुचिपूर्वक सुनकर समझ सकेंगे और उसमे भाग ले सकेंगे।**
- अध्यापक, मित्रों, विद्यालय के अन्य कर्मियों के साथ बेझिझक बातचीत कर सकेंगे तथा एक – दूसरे की बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकेंगे।
- अपना परिचय तथा अपने बारे में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर आत्मविश्वास के साथ दे सकेंगे।
- **छोटे-छोटे निर्देश सुन और समझ कर उनका अनुसरण कर सकेंगे तथा अपने साथियों को भी निर्देश दे या समझा सकेंगे।**
- **घर, आस-पड़ोस तथा विद्यालय से जुड़ी जानकारियाँ तथा महत्वपूर्ण सूचनाएँ साझा कर सकेंगे।**
- परिचित – अपरिचित गीतों व कविताओं को सुनकर समझेंगे और आनंद लेंगे।
- कविताओं को याद करके हाव – भाव के साथ सुना सकेंगे और अकेले या समूह में गाएँगे।
- भिन्न – भिन्न विषयों पर आधारित रोचक कहानियाँ सुन एवं सुना सकेंगे तथा पात्रों की विशेषताओं का उल्लेख कर सकेंगे।
- **कहानी का मुख्य भाव समझ सकेंगे तथा कौन, कब, कहाँ और कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।**
- खुले अंत वाली कहानियों की घटनाओं को बदलकर कहानी को आगे बढ़ा सकेंगे।
- परिवेश से संबंधित चित्रों को उत्सुकता एवं ध्यानपूर्वक देखकर उन पर सहजभाव से अपनी टिप्पणी दे सकेंगे तथा अध्यापक द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर शब्दों या पूरे-पूरे वाक्यों में दे सकेंगे।
- अपने एवं सहपाठी के बनाए हुए चित्रों के प्रति उत्सुकता प्रकट करते हुए अपनी भाषा में चित्रों का वर्णन कर सकेंगे तथा शीर्षक दे सकेंगे।
- परिचित परिवेश से लिए गए शब्दों को बोलकर सुना सकेंगे तथा उस शब्द में आए अक्षरों की ध्वनियों को पहचान सकेंगे।
- अनौपचारिक संवाद में सुनी गई पहेलियाँ बूझ सकेंगे।
- **सुनी और सीखी गई शब्दावली का प्रयोग करते हुए अपनी बात व अनुभव सुना सकेंगे।**
- नए और तुक वाले शब्द बना सकेंगे।

सुनना और बोलना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ खेल, घर, पुस्तकालय, खाने-पीने की वस्तुएँ, त्योहार, मेले, ऋतुएँ आदि से संबंधित वार्तालाप ▸ मैं और मेरा परिवार ▸ अपनी पसंद की कविताएँ तथा गीत ▸ खेल के मैदान तथा कक्षा में दिए गए निर्देश ▸ दो-तीन वाक्यों वाली चित्र कथाओं की पुस्तकें (ईमानदारी, सहयोग, सहायता, दया, परिश्रम, विषयों पर) ▸ सूचनाएँ – दवाई का छिड़काव, सफ़ाई, पौधारोपण, स्कूल में अवकाश, वार्षिकोत्सव आदि ▸ कहानियाँ - परिचित परिवेश की, पारंपरिक कहानियाँ, बाल साहित्यकारों की कहानियाँ ▸ परिचित परिवेश और विषयों पर संवाद, कहानियाँ व कविताएँ – पशु-पक्षी, खान-पान, परिवार संबंधी, मित्र, मिठाइयाँ, मौसम, खेल-खिलौने, विद्यालय, पुस्तकें, पेड़-पौधे, सूरज-चाँद, बादल, फ़ोन, वाहन, खेती, हाट-बाज़ार, साहसिक कारनामे, जंगल, कीड़े-मकोड़े आदि ▸ गैर कथात्मक सामग्री – निर्देश, जानकारी परक छोटे-छोटे	▸ बेझिझक अपनी बात कहने देने की स्वतंत्रता दें तथा प्रतिक्रियाओं का स्वागत करें। ▸ वार्तालाप का आयोजन करें और सबको बोलने का अवसर दें। ▸ बच्चों से उनके तथा उनके परिवार, रुचियों, काम, त्योहार आदि के बारे में पूछें। ▸ सरल निर्देश व सूचनाएँ साथी तक पहुँचाने और उनका पालन करने के लिए प्रेरित करें। ▸ कक्षा में कविता और कहानी सत्र आयोजित करें। कहानी कहने के लिए किसी को निमंत्रित करें। ▸ कविता गान और कहानी का अभिनय करवाएँ। ▸ कहानियों के संबंध में प्रश्न पूछें, कहानी के पात्रों के बारे में उनकी राय पूछें, घटनाओं को बदलकर कहानी आगे बढ़वाएँ, घटनाओं को क्रम से लगवाएँ। ▸ चित्रों पर बातचीत करें, (चित्रों के संबंध में बच्चों को स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करने दें) चित्रों का वर्णन अपनी कल्पना से करने को कहें। ▸ चित्र कथाओं की पुस्तकें देकर कहानी सुनाने को कहें। ▸ बाल साहित्य की पुस्तकें देखने, पढ़ने, उलटने-पलटने के लिए दें। ▸ शब्दों के खेल आयोजित करें – शब्द लड़ी, शब्द-सीढ़ी, शब्द अंत्याक्षारी, तुकबंदी, कविताओं और गीतों की अंत्याक्षरी आदि। ▸ समाचार पत्रों और बाल पत्रिकाओं से कविताएँ, कहानियाँ पढ़कर सुनाएँ। ▸ पहेलियाँ पूछें और बुझवाएँ।	▸ चित्र, पोस्टर, फ़्लैश कार्ड, बाल-साहित्य, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, कठपुतलियाँ, हैंड पपेट, चित्रकथा पुस्तकें, सी०डी०, चित्र आदि ▸ कार्य प्रपत्र

सुनना और बोलना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
पाठ्यांश, निमंत्रण, व्याख्यात्मक पाठ्य सामग्री ▸ शब्दों और अक्षरों से जुड़ी पहेलियाँ ▸ समाचार पत्र पत्रिकाओं में छपी कविताएँ व कहानियाँ ▸ लघुनाटिकाएँ, गीत, कठपुतली खेल आदि की प्रस्तुति	▸ लघु नाटकों का अभिनय करवाएँ। ▸ नाटक / कठपुतली के खेलों का आयोजन करें। ▸ विभिन्न कार्यक्रमों के बाद बच्चों की प्रतिक्रिया जानें।	

थीम 2: पढ़ना एवं लिखना (पठन एवं लेखन कौशल)

अब बच्चे औपचारिक रूप से पढ़ना और लिखना सीख जाते हैं। वे लिखित, मुद्रित सामग्री को पढ़कर उसके अर्थ को समझने लगते हैं और अपने विचारों को लिखकर अभिव्यक्त करते हैं। परिचित विषयों पर कुछ क्रमबद्ध वाक्य लिखते हैं। पठन सामग्री में कुछ व्याकरणिक इकाइयों जैसे संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि की पहचान कर पाते हैं और उनका शब्द-भंडार पहले से अधिक समृद्ध हो जाता है।

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- चित्रों का अवलोकन करके चित्र आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे तथा प्रश्न पूछ सकेंगे।
- चित्र में देखे गए घटनाक्रम को अपने अनुभवों से जोड़कर समझ सकेंगे।
- चित्र / विज्ञापन में लिखी हुई भाषा को पहचान सकेंगे और उसे अनुमान के आधार पर पढ़ सकेंगे।
- अपना, अपने परिवार के सदस्यों एवं अपने सहपाठियों के नाम लिखकर उनके चित्र बना सकेंगे तथा उनके बारे में कुछ शब्द या दो वाक्य लिख सकेंगे।
- **श्याम पट्ट / चार्ट पर लिखी तुकबंदियों को पढ़ते हुए अपनी कॉपी में अनुलेख लिख सकेंगे।**
- तुकबंदियों, कविताओं के अर्थ एवं भाव समझते हुए उनपर चित्र बना सकेंगे।
- छोटे-छोटे नाटक पढ़ सकेंगे और उनका अभिनय कर सकेंगे। आवश्यकतानुसार अपने मन से संवाद बोल सकेंगे।
- अध्यापक द्वारा दिखाए गए चित्रों (चार्ट पेपर / पाठ्य पुस्तक / टीवी कंप्यूटर आदि द्वारा) का वर्णन अपने शब्दों में लिख और पढ़कर सुना सकेंगे।
- **शब्द, वाक्य, अनुच्छेद, कहानी, नाटक आदि में अंतर कर सकेंगे।**
- प्रात: कालीन सभा में सरल विषयों पर अपने विचार पढ़कर सुना सकेंगे।
- कक्षा / विद्यालय में सूचना पट्ट / दीवार पत्रिका / बुलेटिन बोर्ड आदि पर प्रदर्शित सामग्री को पढ़ और समझ सकेंगे।
- नए शब्दों को अनुमान के आधार पर पढ़ सकेंगे और संदर्भ में उनका अर्थ समझ सकेंगे।
- **अपनी भाषा में छोटी-छोटी घटनाओं का वर्णन लिख एवं पढ़ सकेंगे।**
- विद्यालय की पत्रिका, बुलेटिन बोर्ड आदि के लिए चित्र, चुटकुले, पहेलियाँ आदि लिखकर संकलित कर सकेंगे।
- प्रश्नवाचक शब्दों का मौखिक एवं लिखित रूप से सार्थक प्रयोग कर सकेंगे।
- विद्यालय / घर द्वारा आयोजित भ्रमण के अनुभवों को सुना और लिख सकेंगे तथा वहाँ की प्रस्तुति चित्र द्वारा भी कर सकेंगे।
- सयुंक्त व्यंजनों, 'र' के रूपों और 'ऋ' की पहचान कर सकेंगे और पढ़-लिख सकेंगे।
- विभिन्न खेलों में प्रयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए अनुच्छेद / घटना आदि लिख सकेंगे और पढ़कर सुना सकेंगे।
- पाठ्य पुस्तक के पाठों को सही उच्चारण के साथ पढ़कर सुना सकेंगे और उनपर आधारित अभ्यास कार्यों को लिखकर पूरा कर सकेंगे।
- सार्थक एवं रुचिकर सामग्री द्वारा मिलती-जुलती ध्वनियों / वर्णों ('ड़' और 'ढ़') में निहित अंतर पहचान सकेंगे और सही प्रयोग कर सकेंगे।

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ चित्र पठन के लिए कक्षा, बस-स्टॉप, डाकघर, मेला, पुस्तकालय, पार्क, बाज़ार आदि के चित्र ▸ चित्र में जहाँ - जहाँ लिखित / मुद्रित सामग्री है, उसकी पहचान ▸ 5 से 10 पंक्तियों की सरल तुकबंदियों, बाल कविताओं का पठन एवं अनुलेख ▸ चित्र-निर्माण एवं उसका शीर्षक लेखन ▸ कविता, कहानी में बार-बार आए शब्दों से छोटे-छोटे वाक्यों का निर्माण ▸ दृश्य शब्दावली पठन ▸ पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक चिह्नों की पहचान और अपने लेखन में उनका उपयोग ▸ चित्र, चुटकुले, पहेलियों आदि का संकलन ▸ मेला, त्योहार, बाज़ार, पिकनिक आदि भ्रमण के अनुभव का लेखन ▸ शिरोरेखा का ध्यान रखते हुए वाक्य लेखन ▸ विद्यालय की पत्रिका, समाचार पत्रों में छपे कार्टून, कविताओं का पठन ▸ रोचक पहेलियाँ बूझना और उनका लेखन ▸ परिचित-अपरिचित परिवेश की कहानियाँ – पारंपरिक कहानियों,	▸ तरह-तरह के चित्रों का अवलोकन करने का पर्याप्त समय और अवसर दें। ▸ चित्रों में मुद्रित शब्दों को पढ़वाएँ। ▸ विज्ञापन, होर्डिंग की छपी हुई भाषा पढ़वाएँ। ▸ चित्र से संबंधित तीन-चार वाक्य लिखवाएँ। ▸ परिचित शब्दों से वाक्य बनवाएँ। ▸ घटना, भ्रमण आदि के अनुभव को कुछ वाक्यों में लिखने को कहें। ▸ उनके परिचित परिवेश से जुड़े विषयों पर चार-पाँच संबद्ध वाक्य लिखवाएँ। ▸ चित्रों द्वारा नाम वाले और काम वाले शब्दों की पहचान करवाएँ (बच्चों को संज्ञा, सर्वनाम की परिभाषा या जानकारी नहीं देनी है, केवल पहचान करवानी है। ▸ कहानी के पात्रों के विषय में बातचीत करते हुए उनके लिए प्रयोग किए गए विशेषण शब्दों की ओर ध्यान दिलवाएँ, जैसे- मोटा-पतला, अच्छा-बुरा, चतुर, समझदार, ईमानदार आदि। ▸ पठन-सामग्री में नाम के स्थान पर प्रयोग किए गए शब्दों, जैसे- मैं, तुम, आप, हम, यह, वह आदि की ओर ध्यान दिलवाएँ। ▸ कक्षा में समाचार पत्र / बाल पत्रिकाएँ, बाल-साहित्य की पुस्तकें प्रदर्शित करें। पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनमें से कुछ कविता / कहानी पढ़कर स्वयं	▸ चित्र, पोस्टर, चार्ट, फ़्लैश-कार्ड, सी०डी०, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, बाल-साहित्य, संकेत-पट, बुलेटिन बोर्ड, होर्डिंग, विज्ञापन आदि ▸ कार्य प्रपत्र ▸ भाषा खेल ▸ चुटकुलें, पहेलियों का संकलन

पढ़ना एवं लिखना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
संवाद, एकांकी, परी कथाओं का पठन ▸ कविता / कहानी के आधार पर चित्र निर्माण ▸ विभिन्न वस्तुओं, स्थानों आदि की सूची ▸ मिलती-जुलती ध्वनियों / वर्णों (‘ड़’ और ‘ढ़’) में सार्थक पठन सामग्री एवं व्यावहारिक प्रयोगों द्वारा अंतर ▸ परिचित विषयों पर छोटे-छोटे वर्णनात्मक अनुच्छेद-लेखन, जैसे – मेरा प्रिय फूल, मिठाई, खेल, मित्र, मौसम **संदर्भ में व्याकरण** ▸ उद्देश्य और संदर्भ के अनुसार शब्दों का उचित प्रयोग ▸ नाम वाले शब्द (संज्ञा) की पहचान और उनका प्रयोग ▸ काम वाले शब्द (सर्वनाम) की पहचान एवं प्रयोग ▸ विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण) की पहचान एवं प्रयोग ▸ मैं, मेरा, हम, अपना, वह, उनका, उनकी, उसे, उन्हें आदि (सर्वनाम) की पहचान एवं प्रयोग ▸ शब्दसंपदा में वृद्धि के लिए तरह-तरह के भाषायी खेल ▸ विलोम शब्दों की पहचान एवं प्रयोग	सुनाएँ। ▸ संयुक्त व्यंजन, ‘र’ के विभिन्न रूप और ‘ऋ’ के प्रयोग वाले शब्दों के कार्ड बच्चों को दिखाएँ और पढ़वाएँ। उनके लिखित रूप और उच्चारण में अंतर बताते हुए अनुलेख करवाएँ। जैसे- मक्खी, छुट्टी, समुद्र; कर्म, क्रम, वर्षा; ऋतु, ऋषि आदि। ▸ मिलती-जुलती ध्वनियों जैसे- ड़-ढ़, श-स, द-ध, ग-घ आदि से निर्मित शब्दों के कार्ड दिखाकर उनका सही उच्चारण करवाएँ और लिखवाएँ (इन ध्वनियों का स्पष्ट उच्चारण सुनवाने के लिए सी०डी० का प्रयोग किया जा सकता है)। ▸ शब्द-खेलों द्वारा बच्चों से अधिक से अधिक नए शब्द बनवाएँ और उनका शब्द भंडार विकसित करें। ▸ कक्षास्तर के अनुकूल सरल, बहुप्रयुक्त विलोम शब्दों जैसे- यहाँ-वहाँ, इधर-उधर, आगे-पीछे दिन-रात, अच्छा-बुरा, ऊपर-नीचे आदि से परिचित करवाएँ और इनका वाक्य में प्रयोग करवाएँ।	